एलिजाबेथ ब्लैकवेल

पहली महिला डॉक्टर

कैरल ग्रीन
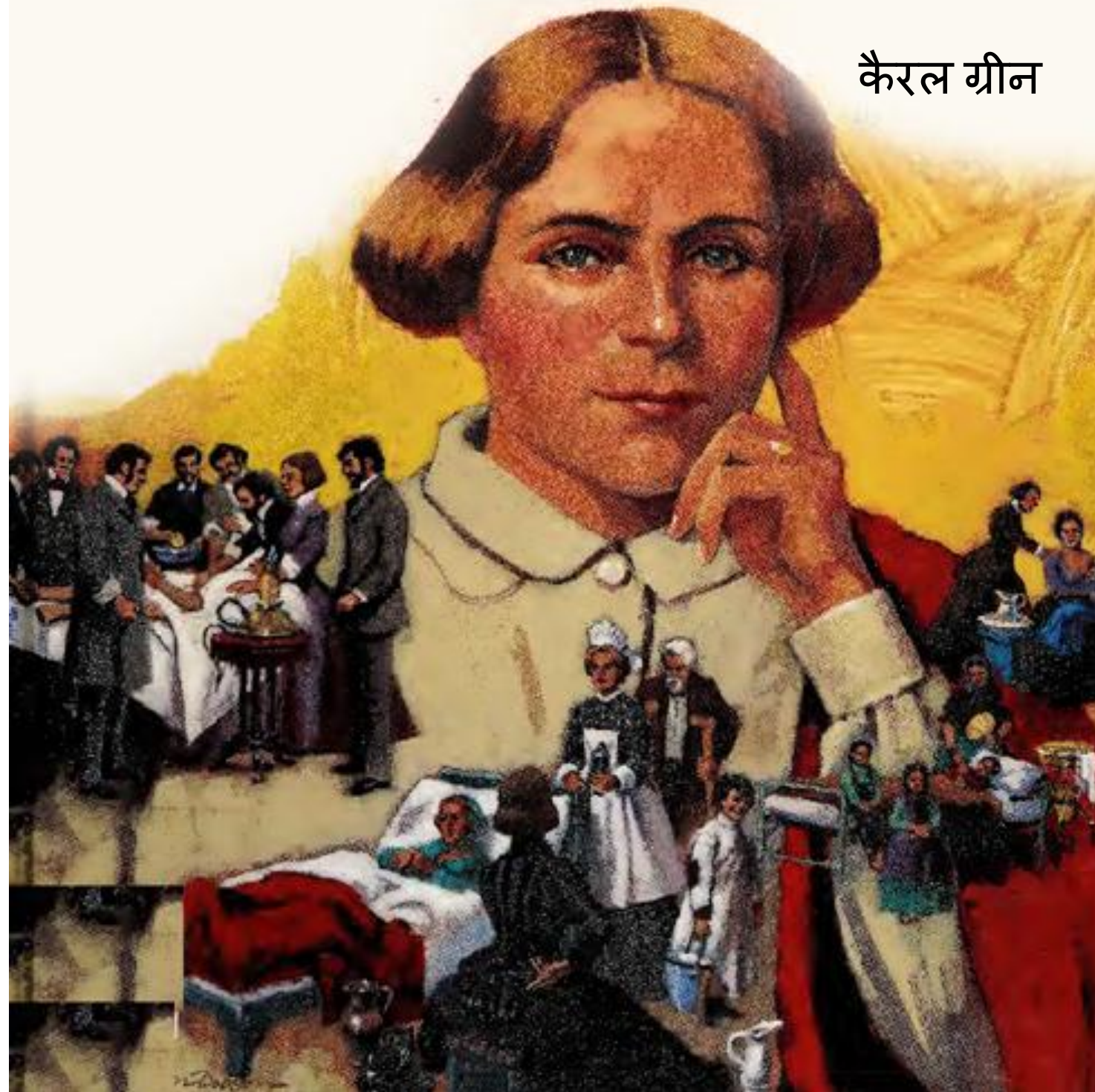
एलिजाबेथ ब्लैकवेल (1821-1910)

एलिजाबेथ ब्लैकवेल एक वास्तविक व्यक्ति थीं.

उनका जन्म 1821 में हुआ था.

1910 में उनकी मृत्यु हुई.

कठिन संघर्ष के बाद, एलिजाबेथ ब्लैकवेल पहली महिला डॉक्टर बनीं. यह उनकी कहानी है.

विषयसूची

एलिजाबेथ ब्लैकवेल का जन्म ब्रिस्टल, इंग्लैंड में हुआ था.

अध्याय 1
छोटी शर्मीली

एलिजाबेथ ने कभी भी ज्यादा नहीं बोला. वो इतनी शांत थी कि पापा ने उसे "छोटी शर्मीली" बुलाते थे. लेकिन एलिज़ाबेथ बहुत सोचती थी और बहुत चिंतित रहती थी.

वो एक अच्छी लड़की बनना चाहती थीं और इसी वजह से चिंतित रहती थीं. क्या फर्श पर सोने से वो सचमुच में अच्छी बनेंगी? एलिजाबेथ ने कोशिश करके देखी. लेकिन उससे काम नहीं बना.

एलिजाबेथ को शादी की चिंता भी सताई. अगर उसकी शादी नहीं हुई तो? वो काल अविवाहित महिलाओं के लिए एक भयानक समय था.

अविवाहित महिलायें पढ़ा सकती थीं, सिलाई कर सकती थीं या नौकरानी बन सकती थीं. अविवाहित महिलाओं को अक्सर दूसरे लोगों के घरों में रहना पड़ता था. वे खुद बहुत गरीब थीं.

अमीरों के घरों में नौकर काम करते थे. नौकर घर का सारा काम करते थे, जिसमें बाल बनाना (बाएं) और खाना परोसना (ऊपर) शामिल था.

लेकिन कभी-कभी एलिजाबेथ बहुत व्यस्त होती थी और चिंता नहीं करती थी. उसे पढ़ना पसंद था. उसे सैर करना और अपनी आठ बहनों और भाइयों के साथ खेलना भी पसंद था.

सबसे बढ़कर, एलिजाबेथ को सीखना पसंद था. पापा ने अपने सभी बच्चों के लिए अच्छे टीचर्स नियुक्त किए थे.
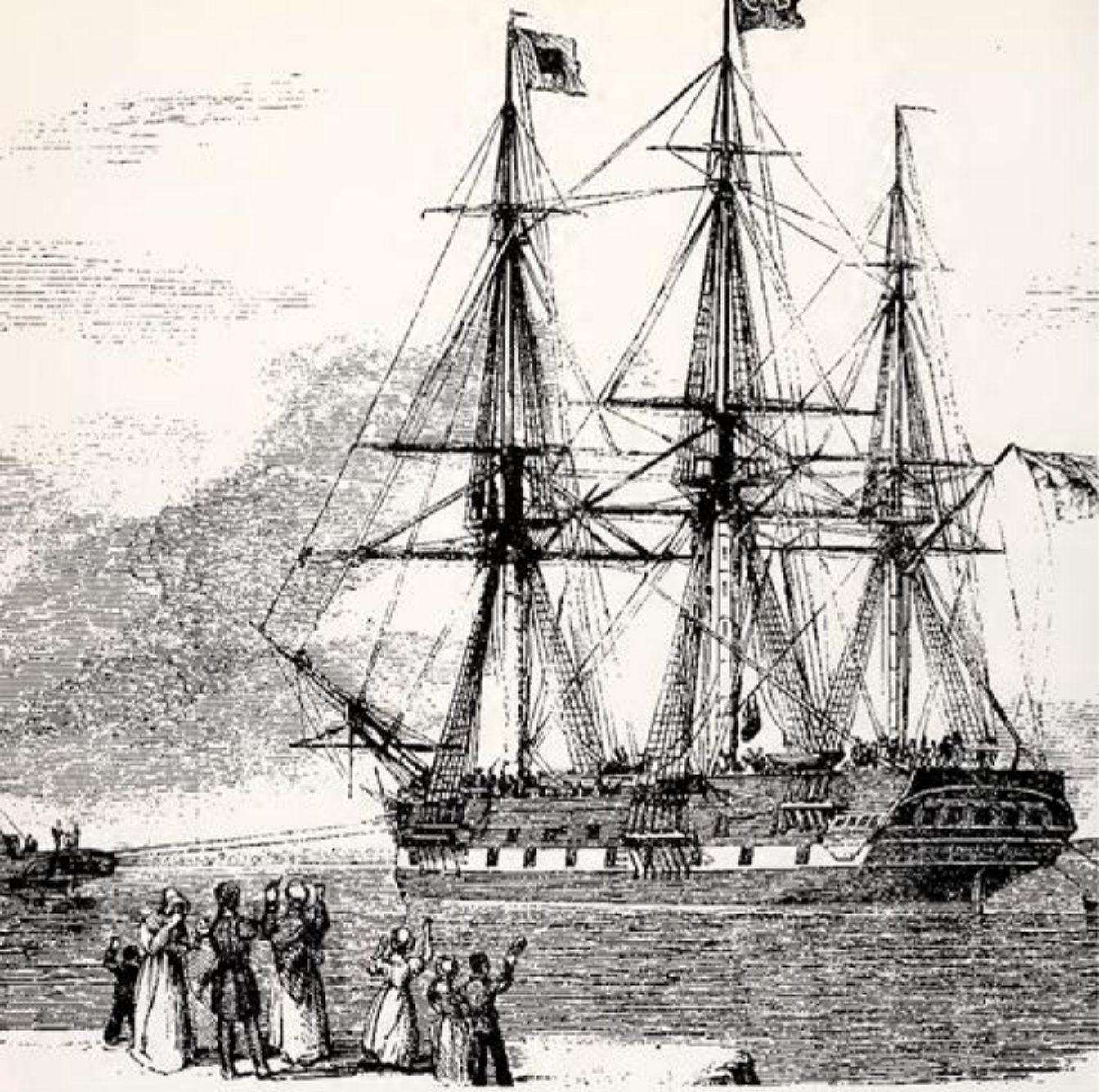
ब्लैकवेल परिवार इस तरह के जहाज में अमेरिका आया था.

जब एलिजाबेथ 11 वर्ष की थी, तब उनका परिवार इंग्लैंड से अमेरिका चला गया. नाव यात्रा में साढ़े सात सप्ताह लगे. एलिजाबेथ समुद्र में बीमार पड़ गई.

जब ब्लैकवेल वहां पहुंचे तो न्यूयॉर्क शहर में बड़ी भीड़ और गंदगी थी. बहुत से लोग मलिन बस्तियों (बाएं) में रहते थे. क्या आप ऊपर वाली गली में सूअरों को देख सकते हैं?

शुरू में एलिजाबेथ को अमेरिका बहुत पसंद नहीं आया. ब्लैकवेल परिवार न्यूयॉर्क शहर में एक बदसूरत घर में रहता था. वहां पर सूअर सड़कों पर घूमते थे.
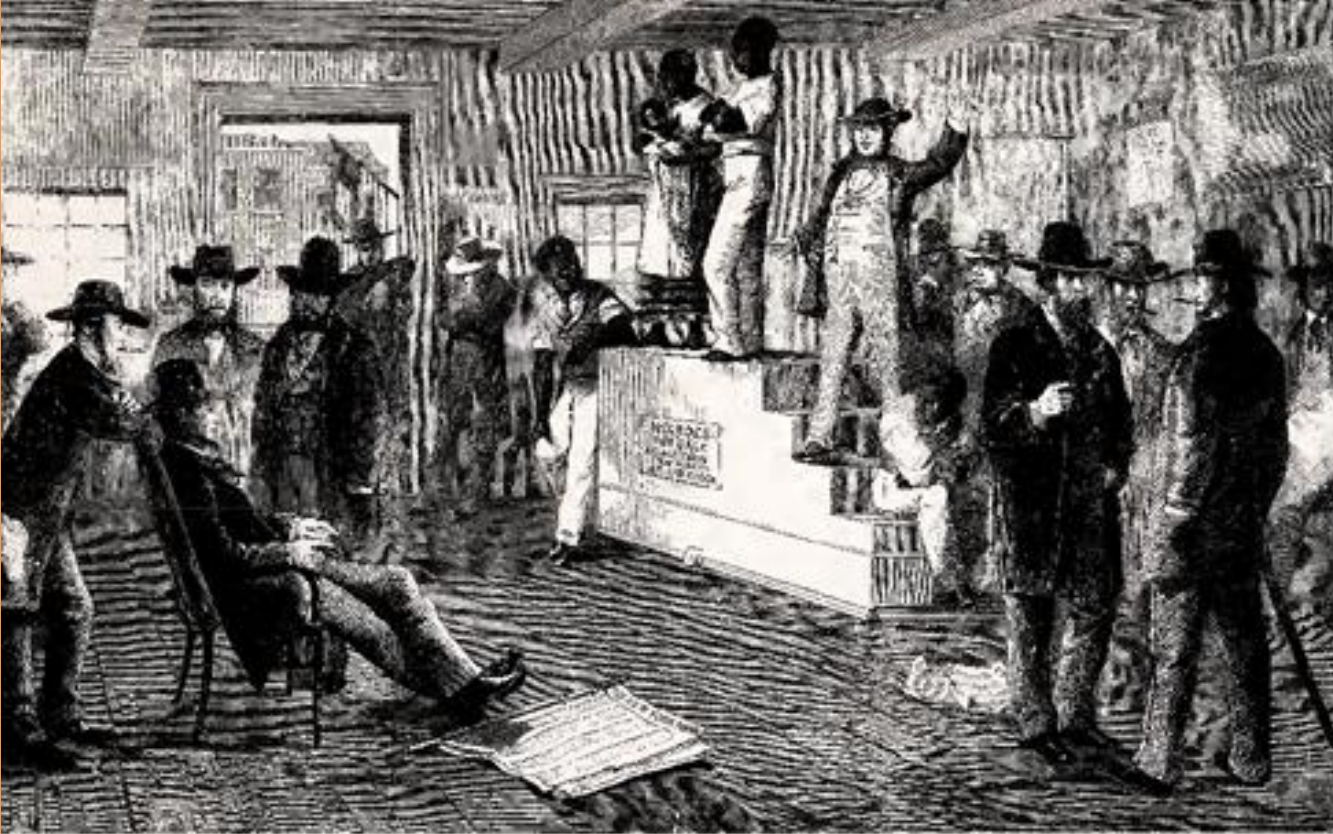
गुलामों को किसी भी अन्य संपत्ति की तरह ही खरीदा और बेचा जाता था.

सबसे बुरी बात यह है कि अमेरिका के कुछ हिस्सों में गोरे लोगों के पास अश्वेत नौकर थे. उन्हें गुलाम कहा जाता था. पापा और एलिजाबेथ को गुलामी से नफरत थी.

बाद में, ब्लैकवेल परिवार न्यू जर्सी चला गया. लेकिन एलिजाबेथ, न्यूयॉर्क के एक स्कूल में गई.

उसे अब भी सीखना पसंद था—एक विषय को छोड़कर. वो विषय शरीर-विज्ञान था. शरीर और बीमारी के बारे में पढ़ने से एलिजाबेथ को नफरत थी.

एलिजाबेथ एक मजबूत, स्मार्ट लड़की बन गई. लेकिन वह अभी भी छोटी और शर्मीली थी और वह अभी भी बहुत चिंतित रहती थी.

अब एलिजाबेथ को इस बात की चिंता थी कि वो अपने जीवन में क्या करेगी? वो कुछ महत्वपूर्ण करना चाहती थी. लेकिन वह एक लड़की थी. वो भला क्या कर सकती थी?
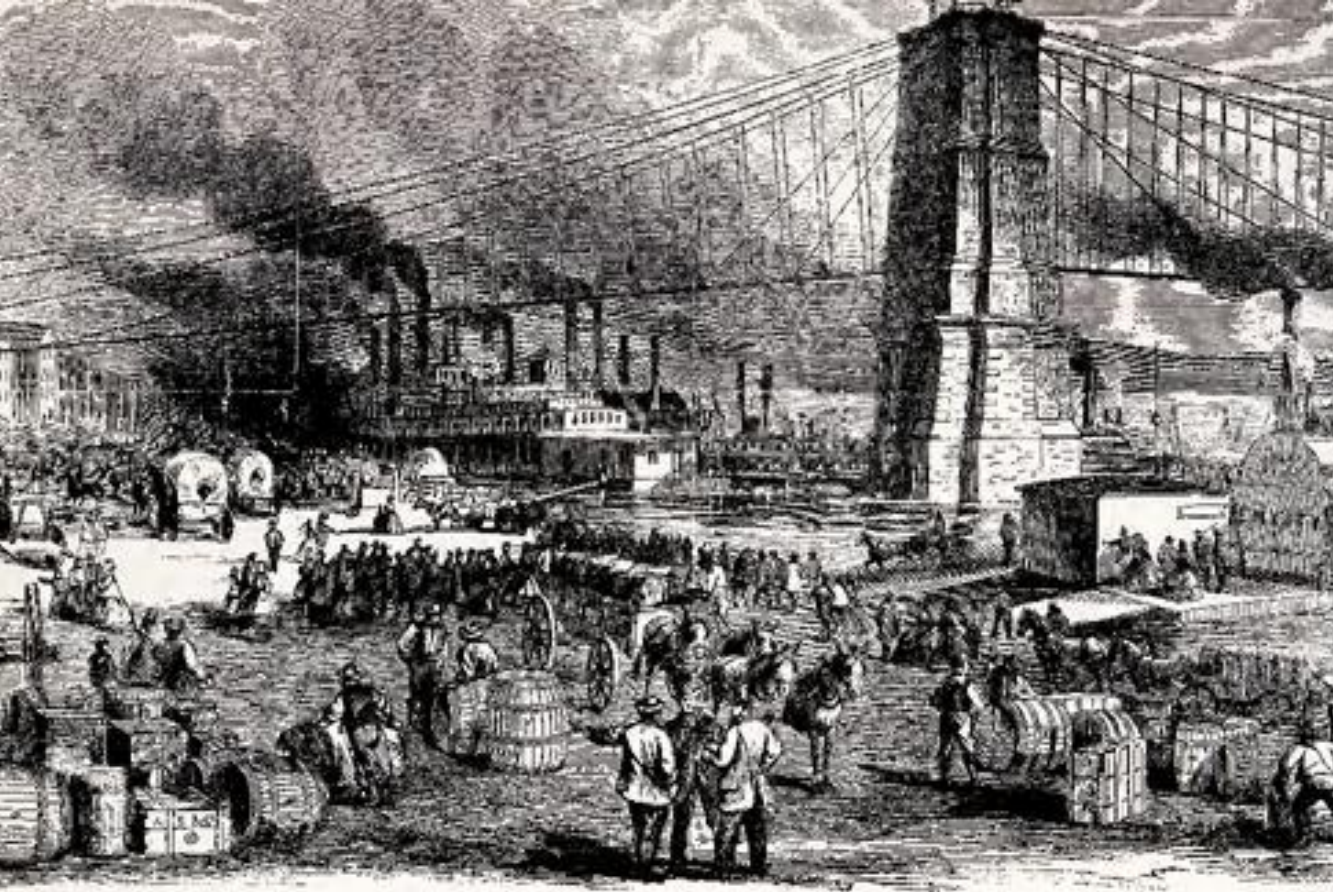
1850 के दशक में सिनसिनाटी. इस बड़े शहर में ओहायो नदी पर भाप से चलने वाली नावें रुकती थीं.

अध्याय दो

एक अजीब विचार

उसका परिवार ओहियो के सिनसिनाटी शहर में शिफ्ट हुआ. एलिजाबेथ को सिनसिनाटी शहर बहुत सुंदर लगा! हो सकता है कि वो वहां कुछ महत्वपूर्ण कर सके.

लेकिन तीन महीने बाद ही उसके पिताजी की मौत हो गई. फिर ब्लैकवेल परिवार बहुत गरीब हो गया.

अमेरिका में भी महिलाएं पढ़ाने, सिलाई करने, नौकरानी बनने या किसी फैक्ट्री में काम करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकती थीं.

उन्नीसवीं सदी में महिलायें कपड़ा बनाने और सिलाई का काम करती थीं. वे भीड़-भाड़ वाली फैक्ट्रियों में कम मजदूरी पर लंबे घंटों तक काम करती थीं.

सबसे पहले, एलिजाबेथ को डॉक्टर बनना एक अजीब विचार लगा.

ब्लैकवेल ने अपने घर में ही एक स्कूल शुरू किया. एलिजाबेथ को पढ़ाने से नफरत थी, लेकिन उसने फिर भी पढ़ाया.

फिर एक दिन वो अपनी बीमार मित्र मैरी से मिलने गई. मैरी ने कहा कि अगर उसके पास कोई महिला डॉक्टर होती तो उसे बहुत अच्छा लगता.

"तुम डॉक्टर क्यों नहीं बनतीं?" उसने एलिजाबेथ से पूछा. "तुम एक अच्छी डॉक्टर बनोगी. मुझसे इसके बारे में सोचने का वादा करो."

एलिजाबेथ ने वादा किया. लेकिन वो कितना अजीब विचार था! महिलाएं डॉक्टर नहीं बन सकतीं थीं. इसके अलावा, शरीर और बीमारी से उसे नफरत थी.

लेकिन मैरी का अजीब विचार उसके दिमाग से निकला नहीं. किसी को तो पहली महिला डॉक्टर बनना ही था. फिर एलिजाबेथ क्यों नहीं?

आखिर उसने फैसला किया. वो ज़रूर कोशिश करेगी. वो पढ़ाएगी, पैसे बचाएगी और दूसरे डॉक्टरों के साथ पढ़ाई करेगी. फिर वो मेडिकल स्कूल में जाएगी.

एलिजाबेथ ने दो साल तक काम किया. उसे घर छोड़ना पड़ा. वो कठिन था. एक बार उसे लगा जैसे उसका दिल टूट जाएगा. "मेरी मदद करो!" उसने प्रार्थना की.

तब उसने ईश्वर को अपने साथ महसूस किया. वो जानती थी कि वो सही काम कर रही थी. शरीर और बीमारी ने उसे अब नफरत नहीं थी. शरीर सुंदर था.

अधिकांश मेडिकल स्कूल कोई महिला छात्र नहीं चाहते थे. उनतीस स्कूलों ने उससे “न” कहा. लेकिन एलिजाबेथ कोशिश करती रही. अंत में न्यू यॉर्क के एक छोटे जिनेवा कॉलेज ने उससे "हाँ" कहा.
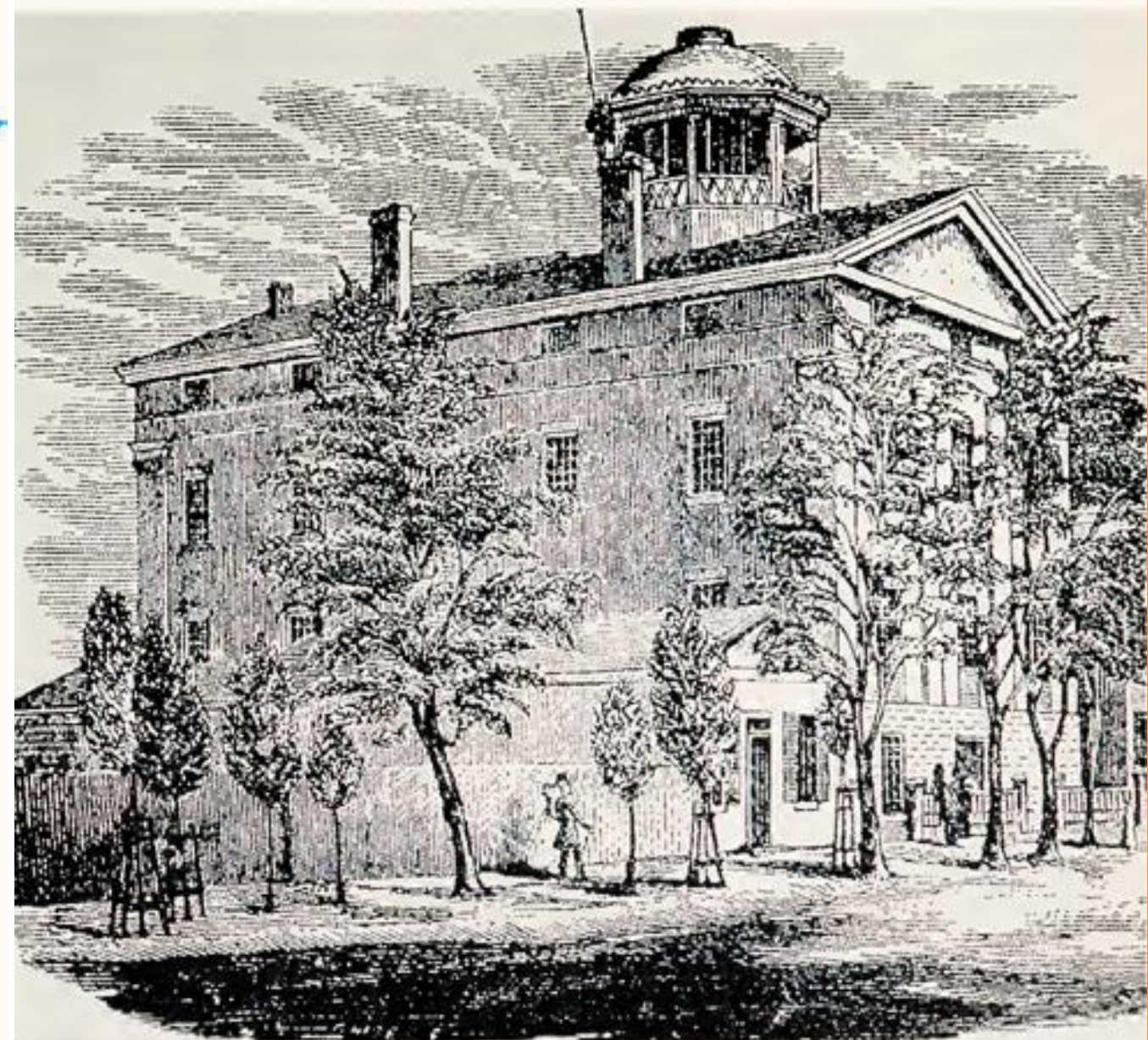
न्यूयॉर्क में जिनेवा मेडिकल कॉलेज ने, एलिजाबेथ ब्लैकवेल को पहली महिला मेडिकल छात्र के रूप में स्वीकार किया.

4 नवंबर, 1847 को एलिजाबेथ जिनेवा के लिए रवाना हुई. अंत में उसने एक महत्वपूर्ण काम शुरू किया.
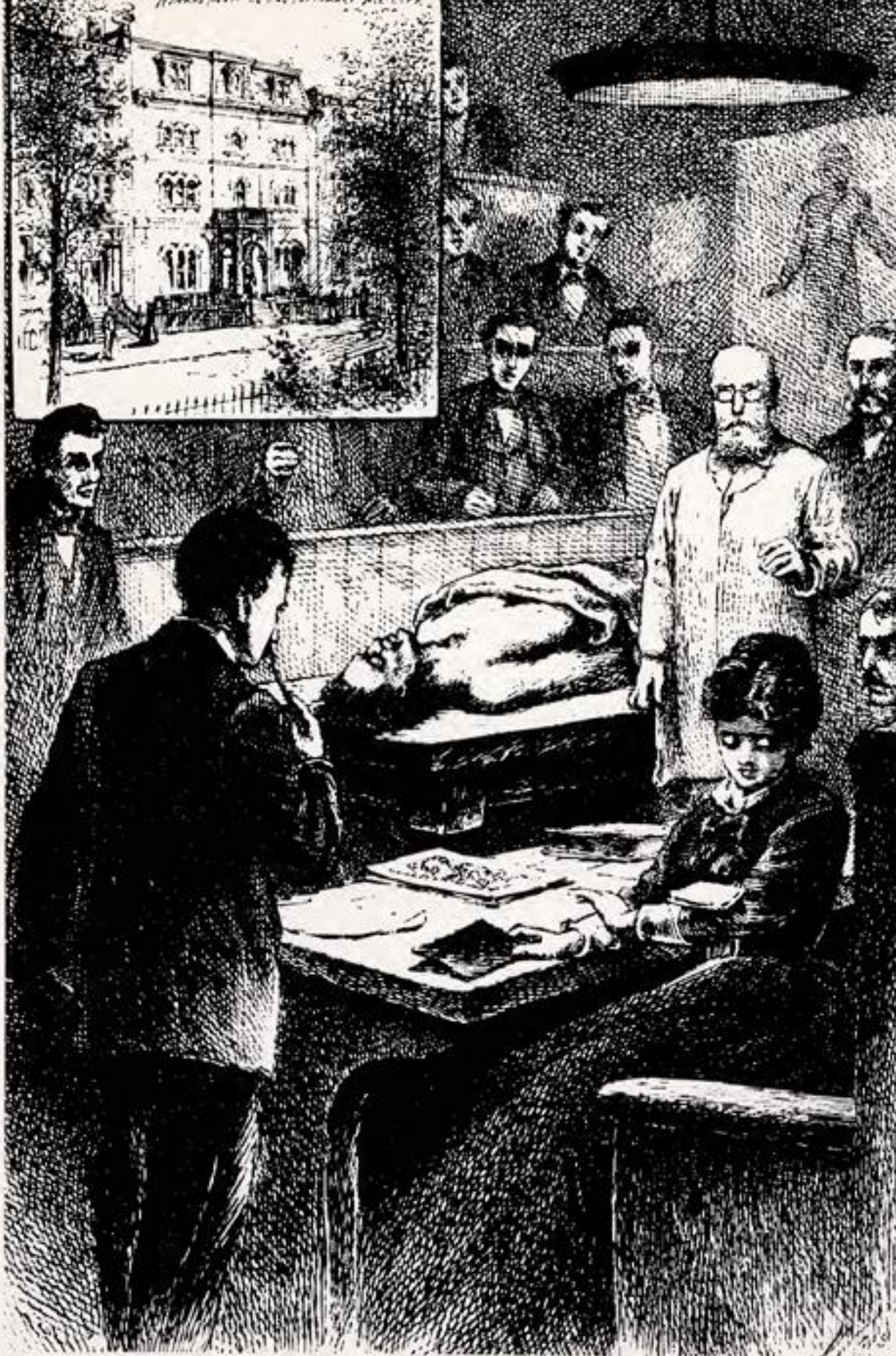
अध्याय 3
डॉक्टर ब्लैकवेल

बहुत से लोगों ने सोचा था कि एलिजाबेथ का मेडिकल स्कूल में कभी दाखिला ही नहीं होगा. कुछ ने उसे पागल करार दिया. कुछ ने उसे बुरा-भला कहा.

लेकिन एलिजाबेथ ने कड़ी मेहनत की. पुरुष छात्रों ने उसे पसंद किया. वे हमेशा उसके साथ विनम्रता से पेश आए.

डॉक्टर ब्लैकवेल ने मेडिकल स्कूल में जितना संभव था उतना सीखा.

एलिजाबेथ ने 1849 में मेडिकल स्कूल से स्नातक की डिग्री हासिल की.

23 जनवरी, 1849 को एलिजाबेथ ने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया. वो अब डॉ. ब्लैकवेल थीं. वो अब अमरीका की पहली महिला डॉक्टर थीं.

Curatores
COLLEGII GENEVENSIS,
quod Genevae in Republica Neo-Eboraco, conditum:
OMNIBUS
ad quos praesentes hae Litterae pervenerint
SALUTEM.
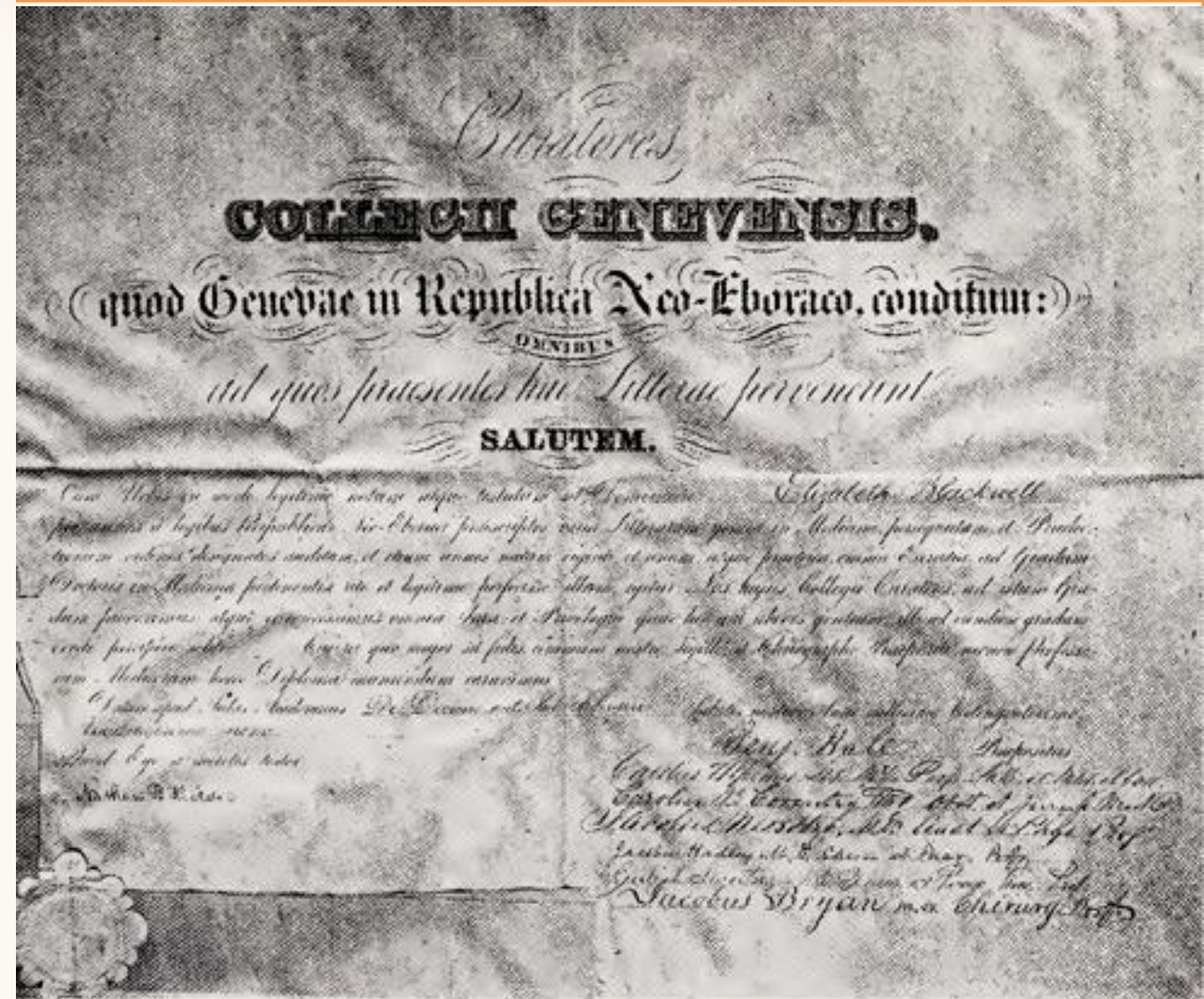
ब्लैकवेल का जिनेवा मेडिकल कॉलेज का डिप्लोमा लैटिन में लिखा था. कॉलेज के अध्यक्ष (बाएं) डॉ. बैंजामिन हेल ने उन्हें डिप्लोमा प्रदान किया

पेरिस, फ्रांस में एक सड़क.

एलिजाबेथ और सीखना चाहती थीं, इसलिए वो एक अस्पताल में काम करने के लिए पेरिस, फ्रांस गईं. लेकिन वहां अस्पताल में उसे कोई भी नहीं चाहता था, क्योंकि वो एक महिला थीं.

अंत में, माताओं और बच्चों के एक अस्पताल ने उन्हें पढ़ाने की इज़ाज़त दी. वहां शोरगुल और गंदगी थी. लेकिन एलिजाबेथ ने वहां काफी सीखा और वो खुश थीं.

पेरिस में स्थित माताओं और शिशुओं के इस अस्पताल में, नवजात शिशुओं को "इनक्यूबेटर्स" में गर्म रखा जाता था.

तभी उन्हें आंख की एक बीमारी हुई. वो नहीं देख सकती थीं. वो अपना काम नहीं कर सकती थीं. उनके लिए वो एक भयानक समय था.

महीने बीत गए. फिर एक डॉक्टर ने उनकी बीमार आंख निकालकर उसकी जगह एक कांच की आँख फिट की. उससे उनकी दूसरी आंख मजबूत हो गई और वो फिर से काम करने लगीं.

एलिजाबेथ ब्लैकवेल ने लंदन, इंग्लैंड में सेंट बार्थोलोम्यू अस्पताल में काम किया और अध्ययन किया.

एलिजाबेथ लंदन के एक बड़े अस्पताल में गईं. उन्होंने नए दोस्त बनाए और नई-नई चीजें सीखीं.

उन्नीसवीं सदी के अस्पतालों की हालात भयानक थी. न्यूयॉर्क के एक अस्पताल (ऊपर) में मरीजों के ऊपर चूहे दौड़ रहे थे. डॉक्टर अपने गली के कपड़े ही पहनते थे (नीचे) और मरीजों को देखने के बीच हाथ नहीं धोते थे.

उस समय, अस्पताल गंदे स्थान थे. वहां कुछ भी नहीं धोया जाता था, यहां तक कि डॉक्टरों के हाथ भी नहीं.

लंदन में डॉक्टर ब्लैकवेल, "डॉक्टोरियल बोरी" नाम का कोट पहने हुए.

एलिजाबेथ को वो काफी गलत लगा. अगर चीजें साफ होतीं तो और अधिक लोग, जल्दी ठीक होते. शायद वो इसे बदल सकती थीं.

लेकिन पहले उन्होंने अपना जीवन बदलने की बात सोची. वो न्यूयॉर्क शहर वापस जाएँगी. वहीँ वो सबसे अच्छा काम कर सकती थीं.

अध्याय 4

काम

लोग महिला डॉक्टर के पास जाने से कतराते थे. लेकिन एलिजाबेथ जानती थीं कि वास्तव में किन लोगों को उनकी जरूरत थी - गरीब महिलाओं और बच्चों को.

न्यूयॉर्क शहर में गरीब महिलाओं को सेंट बरनबास होम में मुफ्त भोजन मिलता था.

एक चैरिटी की दवा की दुकान के सामने बीमार लोग, मुफ्त दवाओं का इंतजार करते हुए.

उस समय, कई गरीब बच्चों के माता-पिता नहीं थे. वे अनाथ थे. एलिजाबेथ ने एक अनाथ लड़की, किट्टी को गोद लिया.

जल्द ही किट्टी उनकी संतान बन गई. वो एलिजाबेथ से प्यार करती थी और उन्हें "माई डॉक्टर" बुलाती थी.

इसलिए एलिजाबेथ ने एक दवाखाना खोला जहाँ लोग आ सकते थे और मुफ्त में इलाज करा सकते थे. कुछ दोस्तों ने उसके लिए दान दिया.

एलिजाबेथ ने अपने मरीजों से कहा कि उन्हें अच्छा भोजन खाना चाहिए, आराम करना चाहिए और साफ-सुथरा रहना चाहिए. तभी वे स्वस्थ होंगे. उन्होंने अच्छी सेहत के बारे में भी भाषण दिए.

हजारों गरीब और अनाथ बच्चे सड़कों पर रहते और सोते थे.

1857 में न्यूयॉर्क में बीकमैन डाउनटाउन अस्पताल. बाईं ओर काला और सफेद रंग का चित्र, एलिजाबेथ ब्लैकवेल का माना जाता है.

फिर एलिजाबेथ की बहन एमिली भी डॉक्टर बन गईं. 1857 में, एलिजाबेथ, एमिली और एक पोलिश महिला, डॉ. ज़क ने गरीब महिलाओं और बच्चों के लिए एक नया अस्पताल खोला.
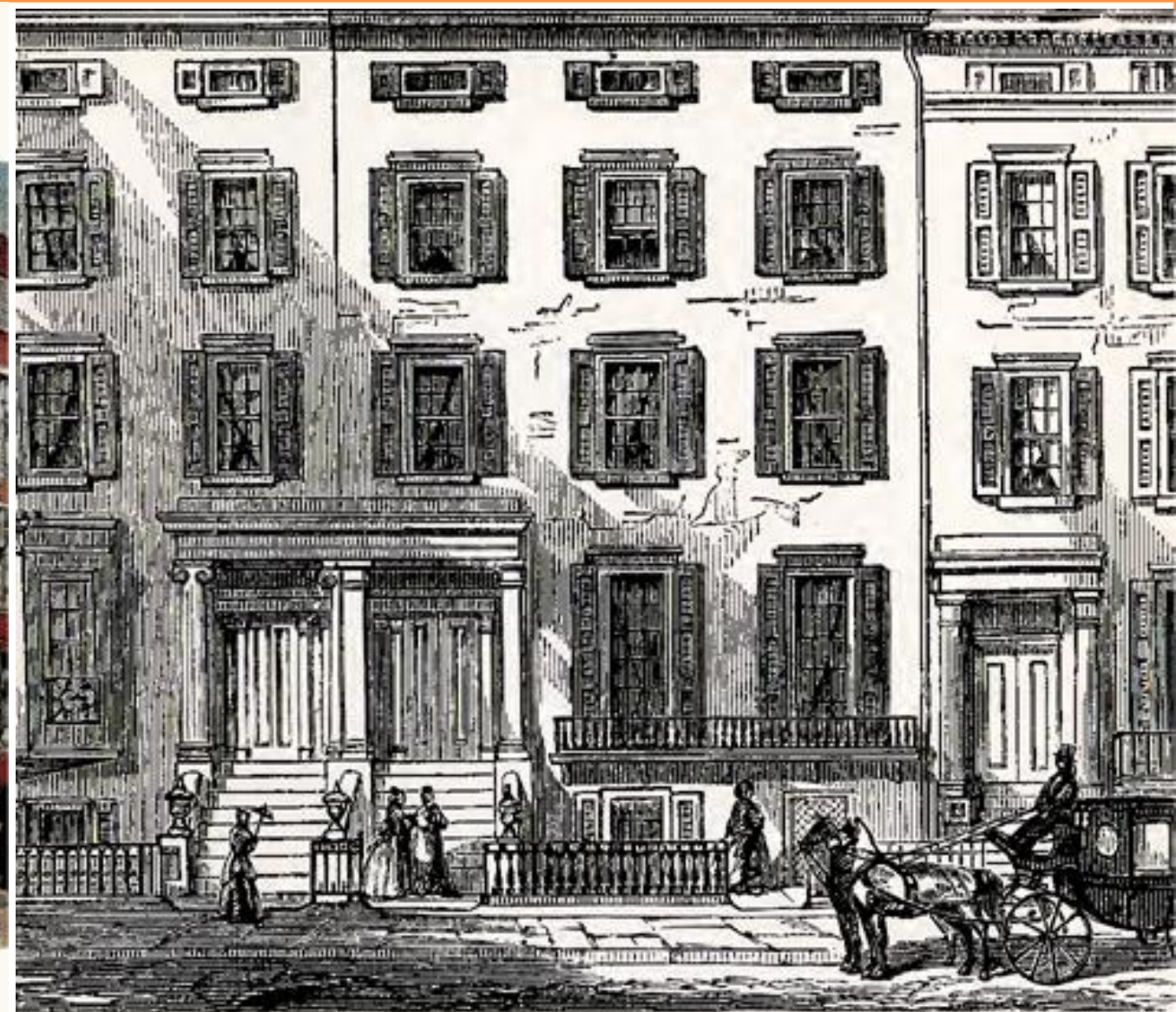
अन्य महिलाएं इस अस्पताल में नर्स बनने की पढ़ाई कर सकती थीं. यह अमेरिका में नर्सों के लिए पहला स्कूल था,

न्यूयॉर्क में महिलाओं के लिए न्यूयॉर्क इन्फर्मरी (ऊपर). एलिजाबेथ ब्लैकवेल ने 1857 में अस्पताल खोला. डॉक्टर ब्लैकवेल के नर्सिंग छात्रों (दाएं) को पट्टी बाँधने का सबक सिखाया.

एलिजाबेथ ब्लैकवेल की नर्सों ने (ऊपर और दाएं) गृहयुद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों की देखभाल की.
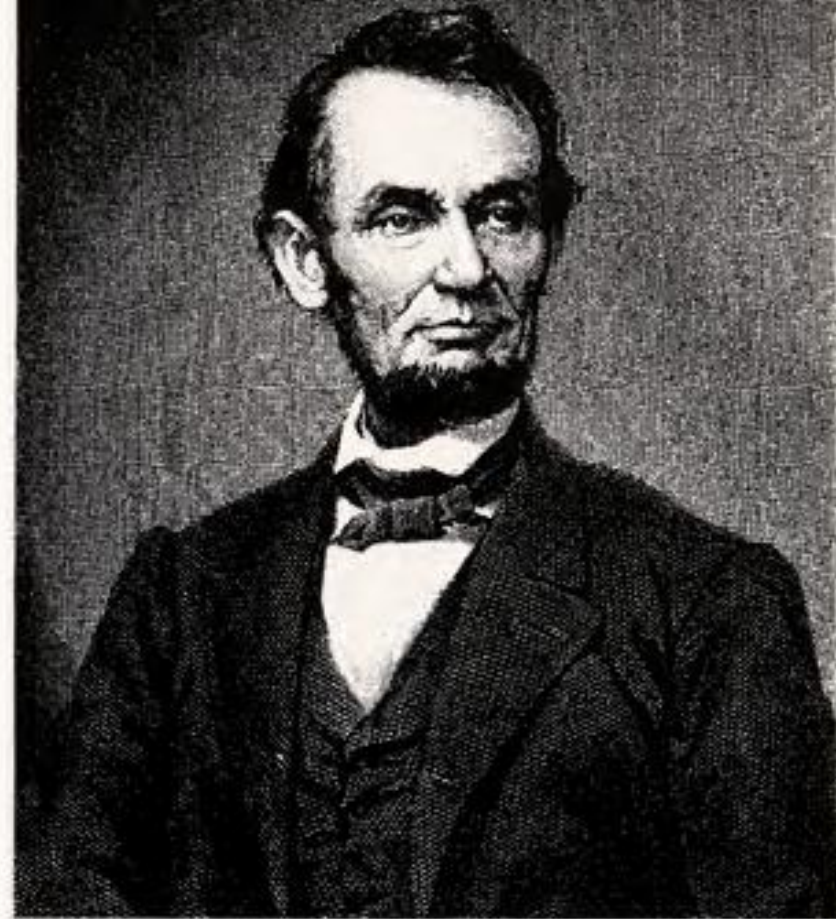
राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन

1860 में अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति बने और 1861 में गृहयुद्ध शुरू हुआ. उससे गुलामी समाप्त हुई, इसलिए एलिजाबेथ उससे खुश थीं.

एलिजाबेथ ने सैनिकों की मदद के लिए कई नर्सें भेजीं. 1864 में, एलिजाबेथ, वाशिंगटन, डी.सी. गईं और राष्ट्रपति लिंकन से मिलीं.

तब तक, एलिजाबेथ को यकीन हो गया था कि उनका निर्णय सही था. 1865 में, उनके अस्पताल ने 31, 657 मरीज़ों का इलाज किया. उनमें से सिर्फ पांच की ही मौत हुई. चीजों को साफ रखने से बहुत मदद मिली.

1868 में, एलिजाबेथ ने अपने अस्पताल में महिलाओं के लिए एक मेडिकल कॉलेज जोड़ा. उन्होंने छात्रों को चीजों को साफ रखने और स्वस्थ रहने के बारे में सिखाया.

डॉक्टर ब्लैकवेल इंग्लैंड लौट आईं, जहां उन्होंने महिलाओं के लिए लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन की स्थापना में मदद की.

तब उन्हें लगा कि अब अमेरिका में उनका काम पूरा हो गया था. उनकी बहन एमिली वहां पर स्कूल और अस्पताल चला सकती थी.

एलिजाबेथ के वापस इंग्लैंड जाने का समय हो गया था.

छात्र नर्स एक मरीज (ऊपर) के आसपास खड़ी हैं. 1870 के दशक में एलिजाबेथ ब्लैकवेल (बाएं).

अध्याय 5
कुछ महत्वपूर्ण

वापस इंग्लैंड में, एलिजाबेथ ने लड़ाई लड़ी.

उन्होंने महिला डॉक्टरों के लिए लड़ाई लड़ी. उन्होंने स्वच्छता और गरीब महिलाओं और बच्चों की बेहतर देखभाल के लिए लड़ाई लड़ी.

एलिजाबेथ ने किताबें लिखीं और भाषण दिए. उन्होंने दो अन्य महिलाओं के साथ मिलकर लंदन में महिलाओं के लिए एक मेडिकल स्कूल शुरू किया. एलिजाबेथ ने वहां पढ़ाया.
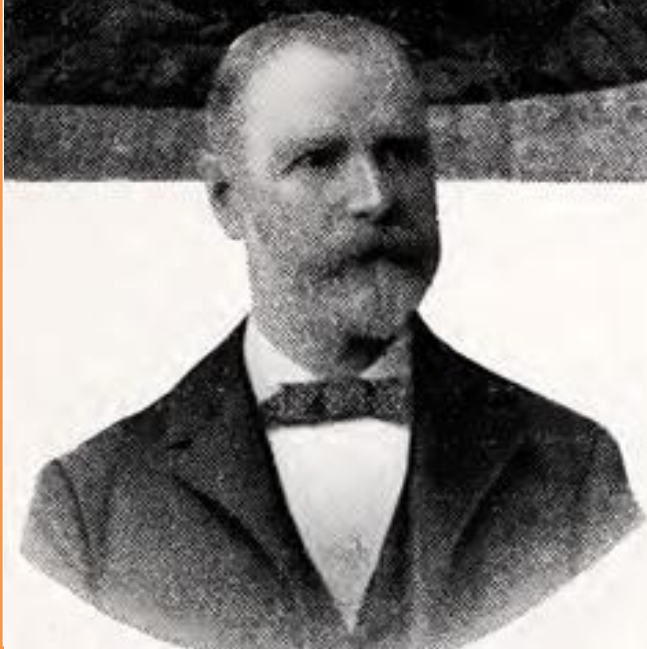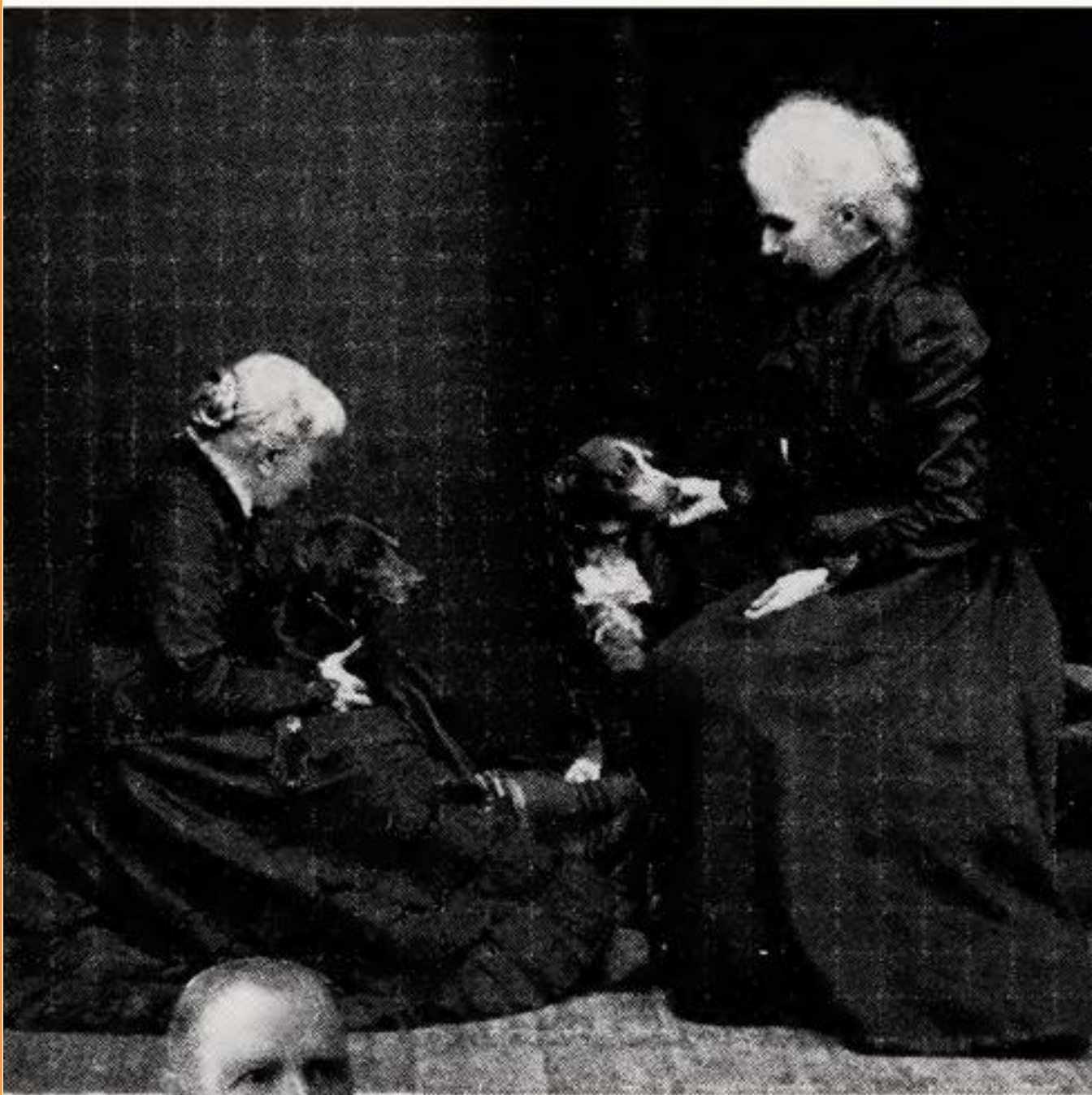
एलिजाबेथ ब्लैकवेल (बाएं से ऊपर) और किट्टी अपने पालतू कुत्तों के साथ. एलिजाबेथ के छोटे भाई, हेनरी ब्लैकवेल (बाएं), महिलाओं के अधिकारों के लिए एक प्रखर वक्ता थे.

1871 में, उन्होंने नेशनल हेल्थ सोसाइटी की शुरुआत की. इससे लोगों को स्वस्थ्य रहने का तरीका सीखने में मदद मिली.

उन सभी वर्षों के दौरान, किट्टी, एलिजाबेथ के साथ ही रही. एलिजाबेथ जब बीमार हुईं तब उसने "माई डॉक्टर" की देखभाल की.

आज, दुनिया भर में महिला डॉक्टर, चिकित्सा पेशे के सभी स्तरों पर सक्रिय हैं.

एलिजाबेथ ब्लैकवेल ने महिलाओं के लिए चिकित्सा का पेशा खोला. उन्होंने ह्यूस्टन, टेक्सास में इस तरह के आधुनिक अस्पतालों को ठीक करने का मार्ग प्रशस्त किया

एलिजाबेथ ब्लैकवेल का 31 मई,1910 को इंग्लैंड में निधन हो गया. वो 89 साल की थीं.

एक शर्मीली छोटी लड़की जो कभी महत्वपूर्ण करने के लिए चिंतित थी, उसने बड़े होकर कई महत्वपूर्ण काम किए और कई लोगों की मदद की.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1821 फरवरी 3 - इंग्लैंड के ब्रिस्टल में सैमुअल और हन्ना ब्लैकवेल के घर में पैदा हुईं

1832 परिवार के साथ अमेरिका गईं

1838 सिनसिनाटी, ओहायो में शिफ्ट हुईं

1849 जिनेवा, न्यूयॉर्क में जिनेवा मेडिकल कॉलेज से स्नातक की डिग्री प्राप्त की

पेरिस, फ्रांस में पढ़ाई की

1853 न्यूयॉर्क शहर में गरीब महिलाओं और बच्चों के लिए दवाखाना खोला

1857 गरीब महिलाओं के लिए अस्पताल खोला न्यूयॉर्क शहर में

नर्सों के लिए अमेरिका का पहला प्रशिक्षण स्कूल खोला

1868 महिलाओं के लिए मेडिकल स्कूल खोला

1869 वापस इंग्लैंड गईं

1871 राष्ट्रीय स्वास्थ्य सोसायटी गठित की

1910 मई 31 को हेस्टिंग्स, इंग्लैंड में मृत्यु हुई

समाप्त